भोपाल
रविवार
21
अप्रैल-2024

A Bilingual Daily Newspaper द क्लिफ न्यूज (दैनिक समाचार पत्र)

द क्लिफ़ न्यूज़

Year-7. Volume-18, Page-8, ₹1

epaper-www.thecliffnews.in

संस्कृत विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा -

आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती व्याख्यान में शिक्षा का महत्व बताया

द क्लिफ न्यूज ■ नई दिल्ली

मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बड़े ही उल्लास एवं उमंग के साथ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्। पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥ संस्कृत पद्य के उद्धबोध से दिल्ली विश्वविद्यालय, के डीन ऑफ़ कॉलेजस् , प्रो. बलराम पाणि जी (मुख्य अतिथि) द्वारा व्याख्यान का आरम्भ हुआ। व्याख्यान का विषय- समाज विद्या भारतीय दृष्टि पर व्याख्यान पर मैत्रेयी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरित्मा चोपड़ा द्वारा स्वागत वचन का प्रस्तुति- करण किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. बृज किशोर कुठियाला (पूर्व कुलपति माखनलाल च. र. संचार विश्वविद्यालय) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय पर चर्चा करते हुए, वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताया तथा बौद्ध आचार्य नागार्जुन के विषय में अपना वक्तव्य रखा। दूसरे वक्ता, सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. सतीश कुमार (राजनीतिक विज्ञान विभाग, इग्नू) द्वारा भीमराव अंबेडकर जी को राष्ट्र नेता के रूप में संबोधित किया गया। उन्होंने कहा डॉ 0 अम्बेडकर हमारे सामने दलित नेता के रूप में जाने जाते रहे , आदि अनेक विषयों पर चर्चा की गई ।

अध्यक्ष के रूप में प्रो. बृजेश कुमार पांडेय (डीन जेएनयू) जी का वक्तव्य रहा, जिन्होंने धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष विषय पर तथा ऋषिका मैत्रेयी (विदुषी) की चर्चा की। महाविद्यालय की चेयरपर्सन गवर्निंग बॉडी की प्रो. लक्ष्मी सिंह ने भीमराव अंबेडकर की सामाजिक भूमिका तथा मनुस्मृति , इतिहास संस्कृति परंपरा को जोड़ते हुए अपना वक्तव्य रखा । मैत्रेयी महाविद्यालय का एस.एस.बी सभागार अनेकों महाविद्यालय, विश्वविद्यालय से आए हुए अतिथि गणों विद्वान् और अध्यापकों से सुशोभित रहा। सभी विद्यार्थियों से संपूर्ण कक्ष आरंभ से अंत तक परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन संस्कृत विभाग के डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्वारा किया गया। संस्कृत विभाग की अध्यक्ष, डॉ. सुशील कुमारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। शांति पाठ द्वारा कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक किया गया। इसी बीच मैत्रेयी संस्कृत विभाग के प्राध्यापकगण डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. कुमुद गर्ग, डॉ. वेद वर्धन, डॉ. हेमलता रानी व विभिन्न अन्य विभागों के प्राध्यापक गण विद्यार्थियों की संख्या से तथा इनके उल्लास से, कक्ष पि

देंगे। ऐसे अभ्यर्थी जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्वाचन व्यय लेखा के साथ उन समाचार पत्रों की प्रतियाँ भी जमा करेंगे, जिनमें घोषणा प्रकाशित की गयी है। अनुसार दोपहर में रौनक अली के पांच क्विंटल गेहूं व 70 हजार के नकद, समीना के पांच मवेशी, 25

विश्व फलक हिन्दी दैनिक बहर

संस्कृत विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय में आयोजित हुआ डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती व्याख्यान

डॉ. हेमलता रानी

नई दिल्ली मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर बड़े ही उल्लास एवं उमंग के साथ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें "विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम् । पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥" संस्कृत पद्य के उद्बोध से दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजस, प्रो. बलराम पाणि (मुख्य अतिथि) द्वारा व्याख्यान शुरू हुआ। व्याख्यान का विषय– "समाज विद्या भारतीय दृष्टि" पर व्याख्यान पर मैत्रेयी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरित्मा चोपड़ा द्वारा स्वागत वचन का प्रस्तुति– करण किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. बृज किशोर कुठियाला (पूर्व कुलपति माखनलाल द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय पर चर्चा करते हुए, वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताया तथा बौद्ध आचार्य नागार्जुन के विषय में अपना वक्तव्य रखा। दूसरे वक्ता सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. सतीश कुमार (राजनीतिक विज्ञान विभाग, इग्नू) द्वारा भीमराव आंबेडकर जी को राष्ट्र नेता के रूप में संबोधित किया गया। उन्होंने कहा डॉ. आंबेडकर हमारे सामने दलित नेता के रूप में जाने जाते रहे आदि अनेक विषयों पर चर्चा की गई । अध्यक्ष के रूप में प्रो. बृजेश कुमार पांडेय (डीन जेएनयू) का वक्तव्य रहा। जिन्होंने धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष विषय पर तथा ऋषिका मैत्रेयी (विदुषी) की चर्चा की । इस महाविद्यालय की चेयरपर्सन गवर्निंग बॉडी की प्रो. लक्ष्मी सिंह ने भीमराव आंबेडकर की सामाजिक भूमिका तथा मनुस्मृति , इतिहास संस्कृति परंपरा को जोड़ते हुए अपने विचार रखे। मैत्रेयी महाविद्यालय का एसएसबी सभागार अनेकों महाविद्यालय, विश्वविद्यालय से आए हुए अतिथियों और अध्यापकों से भरा रहा। सभी विद्यार्थियों से संपूर्ण कक्ष आरंभ से अंत तक परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन संस्कृत विभाग के डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्वारा किया गया। संस्कृत विभाग की अध्यक्ष , डॉ. सुशील कुमारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। शांति पाठ द्वारा कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक किया गया। इसी बीच मैत्रेयी संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. कुमुद गर्ग, डॉ. वेद वर्धन, डॉ. हेमलता रानी व विभिन्न अन्य विभागों के प्राध्यापक विद्यार्थियों की संख्या से तथा इनके उल्लास से, कक्ष परिपूर्ण रहा।

रामनवमी पूजन के लिए मिट्टी निकालने गए